इसके पानी को थोड़े-थोड़े दिनों से बदला जाता है तथा इसके अन्दर उपस्थित जीव-जन्तुओं के खान-पान का पूरा ध्यान रखा जाता है। इसके द्वारा जीवित जन्तुओं का अध्ययन किया जाता है। इसको प्रर्याप्त प्रकाश में रखना चाहिए तथा इसके द्वारा छात्रों की पढ़ाई में रुचि बढ़ती है।

फेफड़ों का मॉडल / श्वसन क्रिया का प्रदर्शन :-

आवश्यक सामग्री :- दो गुब्बारे, एक दवात, कार्क, दो मुँह की नली, रबड़ की पतली चादर, डोरी मोम

SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA

फिर हैण्डिल पर लकड़ी की मूठ रखकर धागा लपेटकर मूंठ वाला हैण्डिल बना लिए अब यह जाल तितलियाँ पकड़ने के लिये तैयार हो जाता है।

वाइवेरियम (Vivarium):–
आवश्यक सामग्री :- पौधा, बेलजार, जाली, पानी, गमला, मिट्टी आदि।

निर्माण विधि :- ऐसा पौधा जिसमें वायु में रहने वाले जन्तुओं उदाहरण स्वरूप तितली के अण्डे हों, को लेकर गमले में गीली मिट्टी से भरकर उसमें लगा देते हैं, फिर गमले को पौधे सहित बेलजार से ढक देते हैं। बेलजार के ऊपरी खुले भाग को जाली से बन्द कर देते हैं।

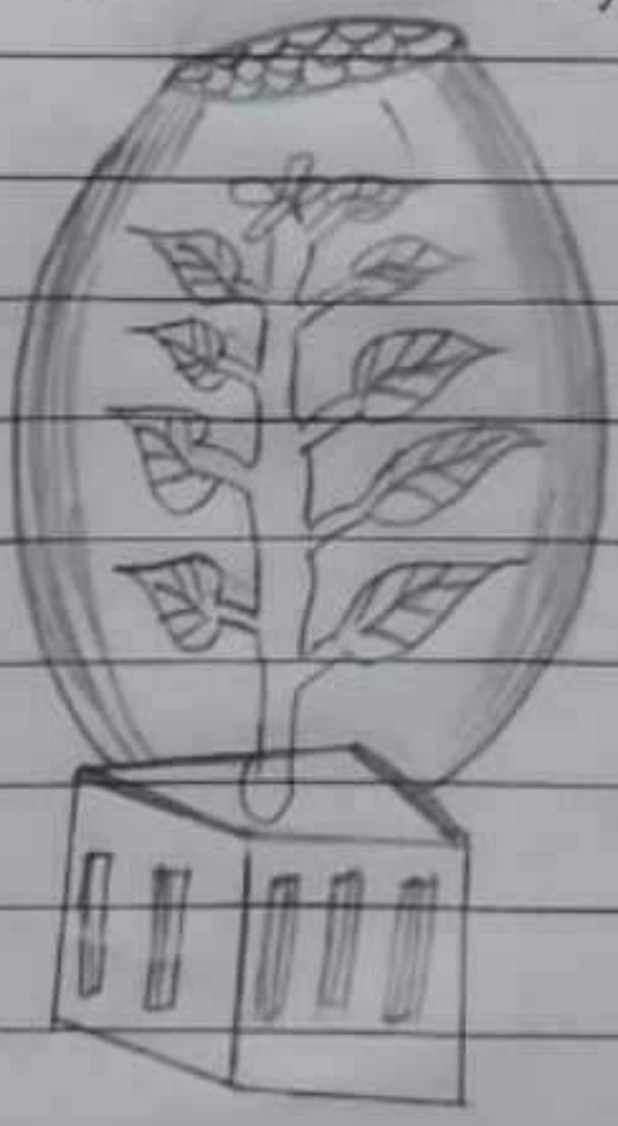

वाइवेरियम

Date: 20/8/2020

study time Page no. :- 06

टेरियम :- इसमें छोटे जन्तु केंचुआ, मक्खी, दीमक, छिपकली आदि रखे जाते हैं। टेरियम के लिए उचित स्थान के चारों ओर शीशे लगाकर उसके पैंदे में खेत की मिट्टी की एक इंच मोटी तह बिछा दी जाती है। कुछ छोटे पौधे इसमें लगाते हैं। फिर उनके बीच में केंचुएँ छोड़ दिए जाते हैं तथा साथ ही केंचुएँ के भोजन के लिए कीड़े-मकोड़े भी रखे जाते हैं। इसकी मिट्टी को पानी से नम किया जाता है। इसका भी समय-समय पर रख-रखाव व सफाई करते रहना चाहिए।

SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA

Dr. Rajesh Verma, Assistant professor and Head, U.G. Department of zoology, D.K. college Dumraon, Notes for B.Sc (I/2/3) zoology Honours practical concept.

Q:- जीवशाला / एक्वेरियम, केकड़ों का मौडल / श्वसन, तितली पकड़ने का जाल, वाइवेरियम, टेरियम, के बारें लिखें।

Ans:- जीवशाला / एक्वेरियम :- यह एक प्रकार का छोटा तालाब होता है। जो काँच से बनाया जाता है। इसमें मेंढक, मछलि आदि रखे जाते हैं। यह बॉक्स घास की छत द्वारा ढका हुआ रहता है। जिससे इसमें हवा के साथ आई हुई मिट्टी से यह गंदा नहीं होता है व इसमें धूल नहीं पहुँचती है। इस बॉक्स में झील की मिट्टी से यह गंदा नहीं होता है व इसमें धूल नहीं पहुँचती है। इस बॉक्स में झील की मिट्टी डालकर उसके ऊपर बालू की एक तह लगा देते हैं। उसमें कुछ पानी में उगने वाले पौधे जैसे वेलिसनेरिया, हाइड्रिला आदि डाल दिये जाते हैं। इसमें जल भरकर इसमें मछलियाँ घोंघे के अण्डे, जलीय जीव-जन्तु डाल दिये जाते हैं।

SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA

study time

Page no. :- 03

Date.: 8/2020

MON TUE WED THR FRI SAT SUN

निर्माण विधि :- एक पैंदा टूटी हुई बोतल लेकर उसके किनारे पर चिकनाई लगा देते हैं। कार्क में छेद करके उसमें दो मुँह वाली एक नली लगा देते हैं। नली के खुले सिरों पर अलग-अलग गुब्बारे बाँध देते हैं। बोतल के पैंदे में रबड़ की चादर कसकर बाँध देते हैं व मुँह को कार्क से बन्द कर देते हैं। बोतल में मोम लगाकर उसे वायुरहित कर देते हैं। पैंदे की चादर को खींचने पर गुब्बारे फूलते हैं अर्थात उनमें गैस जाती है। अर्थात हमारे डायफ्राम के फैलने पर हम ऑक्सीजन तथा सिकुड़ने पर कार्बन-डाई-ऑक्साइड छोड़ते हैं।

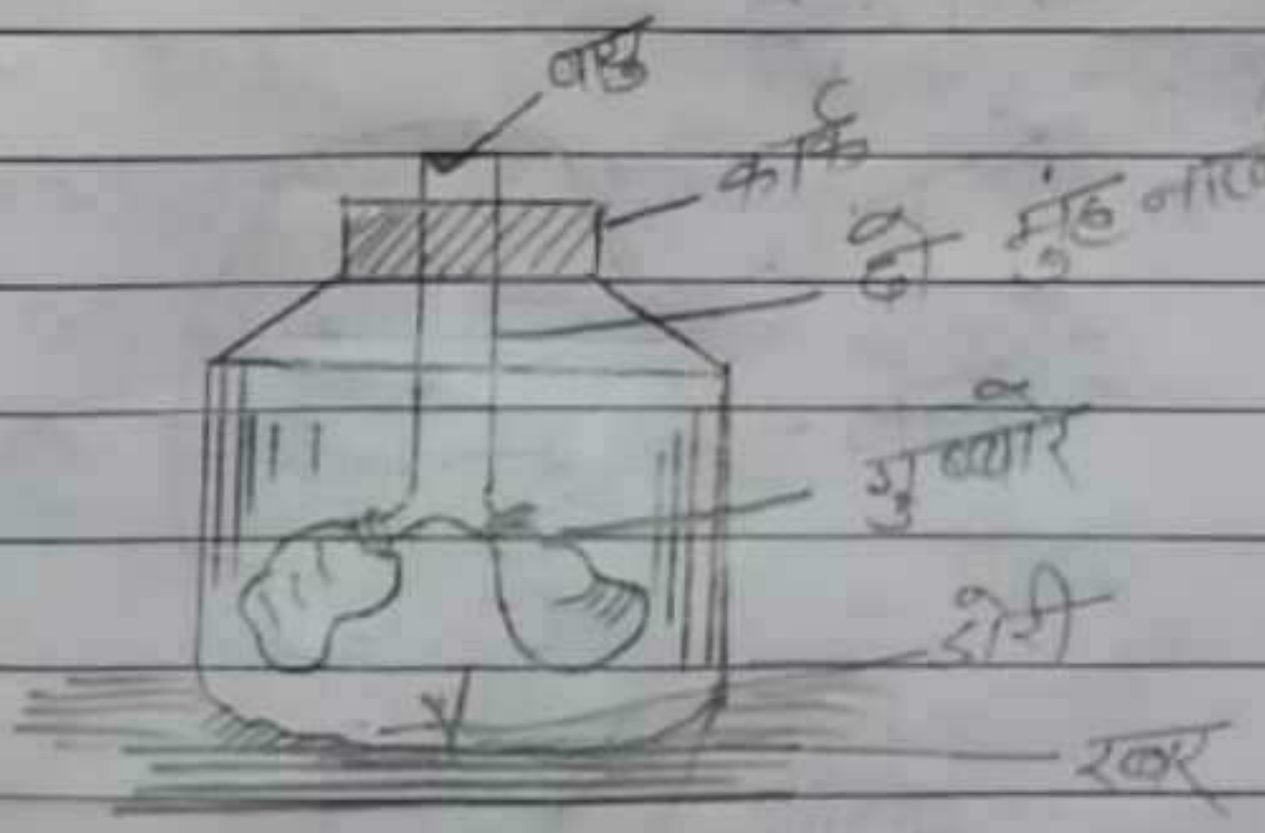

श्वसन क्रिया का प्रदर्शन

[illegible]

~~तिल~~ तितली पकड़ने का जाल :

आवश्यक सामग्री :- १. ५ १/२ फुट लंबा प्लास से मुड सकने वाला लोहे का तार। २. प्लास ३. मच्छरदानी का कपड़ा ४. सुई धागा तथा लकड़ी की मूठ।

विधि :- लोहे के तार को मोड़ कर लगभग १ १/२ फीट का एक घेरा बनाते हैं तथा प्लास की मदद से तार मोड़कर पक्का कर दिया जाता है। फिर बाकी बचे तार को दो बार प्लास की सहायता से मोड़कर ८ लम्बा हैंडिल सा बना लेते हैं। अब गोल फ्रेम के चारों ओर मच्छरदानी के कपड़े का लगभग १ १/२ फुट ऊँचाई का शंकु सा बुनाकर सिल दिया।

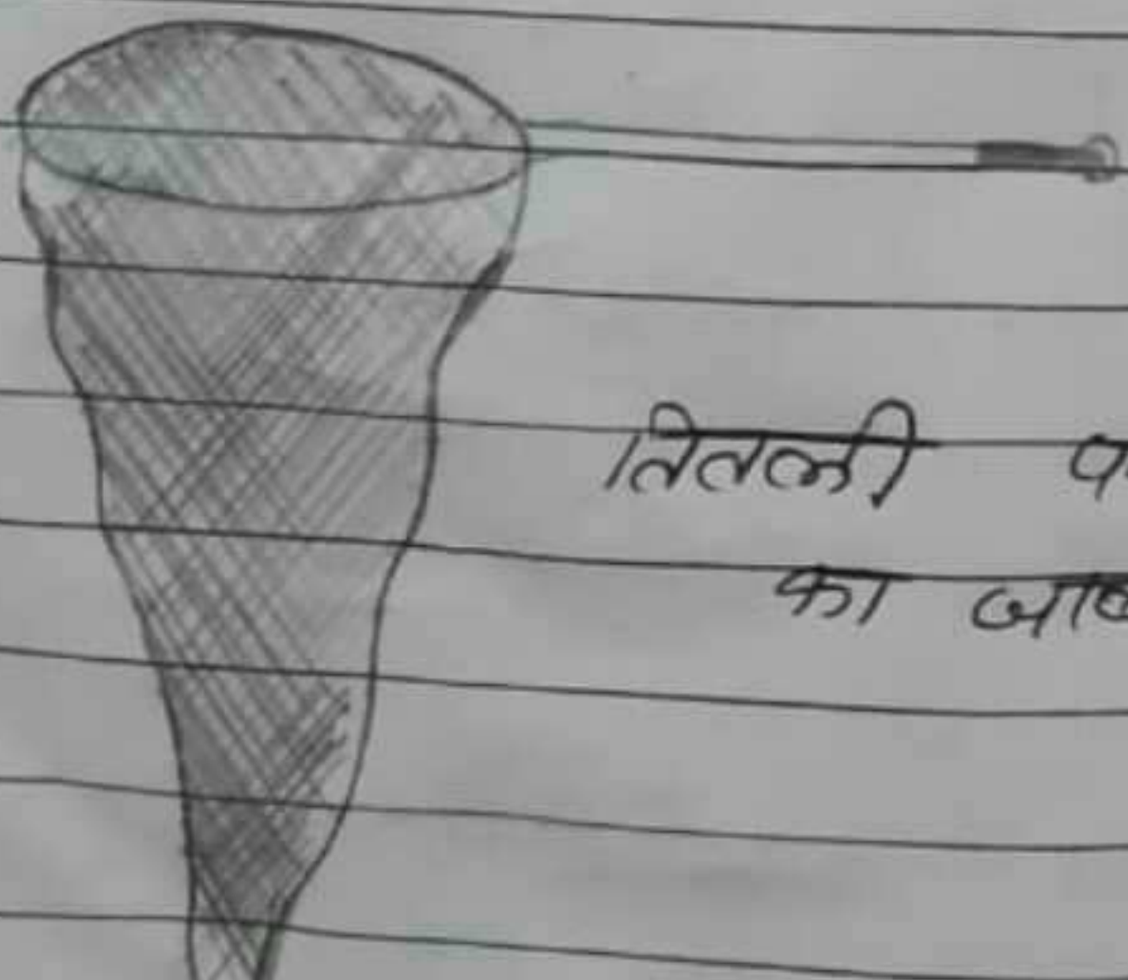

तितली पकड़ने का जाल